www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 264 | जौनपुर शुक्रवार, 15 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

रक्षा राज्य मंत्री आज टेकिंग कलम और कवच 3.0 का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ आज गुरुवार को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में कलम और कवच के तीसरे एडिशन का उद्घाटन करेंगे। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा मकसद और आत्मनिर्भर भारत के विजन के हिसाब से एकीकृत मिलिट्री क्षमता विकास, प्रोद्योगिकीय नवाचार और सामरिक भागीदारी पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन में वरिष्ठ नीति–निर्माता, मिलिट्री लीडरशिप, डिफेंस इंडस्ट्री के हितधारक, डिप्लोमैट्स, इनोवेटर्स, स्टार्ट–अप्स, अकादमिक और सामरिक विशेषज्ञ भारत के बदलते डिफेंस ट्रांसफॉर्मेशन, स्वदेशी क्षमता विकास और भविष्य की युद्ध तैयारियों पर चर्चा करने के लिए एक साथ मंच साझा करेंगे। सम्मेलन एक प्रमुख सामरिक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा। यह सम्मेलन जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के स्ट्रेटेजिक विजन के साथ–साथ स्वदेशीकरण और इंटरनेशनल सहयोग पर जोर देने पर केंद्रित है। यह सम्मेलन जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के स्ट्रेटेजिक विजन के साथ–साथ स्वदेशीकरण और इंटरनेशनल सहयोग पर जोर देने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा मकसद और आत्मनिर्भर भारत के विजन के हिसाब से एकीकृत मिलिट्री क्षमता विकास, प्रोद्योगिकीय नवाचार और सामरिक भागीदारी पर चर्चा को आगे बढ़ाना है।

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने दी बधाई, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बोर्ड की 12वीं कक्षा के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मैं उन सभी विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं, जिन्होंने हायर सेकेंडरी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। आपकी कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का परिणाम आज सफलता के रूप में सामने आया है।" उन्होंने छात्रों के नाम अपने संदेश में कहा, "आपके जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर मिली यह सफलता आपको भविष्य की यात्रा में और भी बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करे। मैं आप में से प्रत्येक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। आप जीवन के हर क्षेत्र में स्वयं को सफलतापूर्वक स्थापित करें और अपने परिवार, समाज तथा प्रदेश का गौरव बढ़ाएं। आप सभी को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं और आशीर्वाद।" पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (डब्ल्यूबीसीएचएसई) ने गुरुवार को कक्षा 12 के नतीजे घोषित किए।

पीएम मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन में आए विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दो दिवसीय ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने आए विभिन्न देशों के विदेश मंत्रियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। यह कार्यक्रम पहले से निर्धारित था और विदेश मंत्रालय ने इसकी आधिकारिक जानकारी पहले ही जारी कर दी थी। प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ में सभी विदेश मंत्रियों के साथ संयुक्त मुलाकात की। तय कार्यक्रम के अनुसार, आज शाम 7 बजे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की ओर से भारत मंडपम में सभी प्रतिनिधियों के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। यह मुलाकात भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान हो रही महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा है। गुरुवार सुबह बैठक में शामिल होने के लिए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्री ने भारत मंडपम में विदेश मंत्रियों का विधिवत स्वागत कियाभारत मंडपम में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दुनिया भर से पधारे विदेश मंत्रियों का विधिवत स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एस. जयशंकर ने वैश्विक मुद्दों पर भारत के स्पष्ट रुख का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "शांति और सुरक्षा वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में हैं। उन्होंने कहा कि हाल के संघर्षों ने संवाद और कूटनीति के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया है। इस जटिल और अनिश्चित दुनिया में चर्चाओं को समानता और साझा लेकिन अलग–अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। डॉ. जयशंकर ने कहा कि तकनीकी प्रगति, वैश्विक परिदृश्य्य को नया आकार दे रही है और इसका उपयोग सुशासन तथा समावेशी विकास के लिए किया जा सकता है। उन्ध्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करने को लेकर भी साझा हित जुड़े हैं।" स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लाल सागर का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि समुद्री रास्तों में बाधा और ऊर्जा ढांचे पर खतरे पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम दौरे में घटाया काफिला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 14 से 16 मई तक सिक्किम की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा सिक्किम राज्य स्थापना दिवस के समारोहों के साथ ही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मार्गदर्शन के अनुरूप और मौजूदा वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए इस यात्रा के दौरान साथ जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और वाहनों की संख्या को न्यूनतम आवश्यक स्तर तक सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय सरकार के मितव्ययिता, कार्यकुशलता और जिम्मेदार सार्वजनिक व्यय पर निरंतर जोर को दर्शाता है। गंगटोक में सिक्किम राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सिंधिया उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ शामिल होंगे, जो उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे।

इनमें सिक्किम की प्रमुख यूएसपी ऑर्गेनिक फार्मिंग परियोजना भी शामिल है। इस यात्रा के दौरान मंत्री नामची, रावांगला, यांगांग और गंगटोक में विकास, पर्यटन, शिक्षा और कृषि से संबंधित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में सिक्किम राज्य विश्वविद्यालय, टेमी टी गार्डन, बुद्ध पार्क, भालेडुंगा स्काईवॉक परियोजना, नाथूला स्थित एनईएसआईडीएस–ओटीआरआई परियोजना का दौरा और सिक्किम राज्य स्थापना दिवस के समारोह में भागीदारी शामिल है।

जयशंकर बोले–रचनात्मक और स्थिर भूमिका की जरूरत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को ब्रिक्स 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच यह उम्मीद बढ़ रही है कि ब्रिक्स वैश्विक अनिश्चितता, संघर्षों और आर्थिक चुनौतियों के बीच एक "रचनात्मक और स्थिर करने वाली भूमिका निभाएगा। विदेश

मंत्री जयशंकर ने भारत मंडपम में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की मीटिंग में ओपनिंग स्पीच देते हुए कहा, "भारत की अध्यक्षता आपके सपोर्ट की तारीफ करती है, जिसने हमारे काम की लगातार तरक्की में मदद की है।" बता दें, 2026 में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। मौजूदा ग्लोबल हालात पर जोर देते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि यह मीटिंग ऐसे समय में हो रही है जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बड़े बदलाव और अस्थिरता है। उन्होंने कहा, "हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी उतार–चढ़ाव हैं, चल रहे झगड़े, आर्थिक अनिश्चितताएं और व्यापार, तकनीक और जलवायु को लेकर चुनौतियां वैश्विक माहौल को बना रही हैं।" ब्रिक्स समूह के महत्व पर जोर देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, "खासकर उभरते बाजारों और विकासशील देशों से यह उम्मीद बढ़ रही है कि ब्रिक्स एक संरचनात्मक और स्थिर करने वाली भूमिका निभाएगा।" चल रही बातचीत के महत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चर्चाओं ने बड़े वैश्विक और क्षेत्रीय विकास पर सोचने और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के प्रैक्टिकल तरीकों को खोजने का मौका दिया।

भारत बना आपदा प्रबंधन में ग्लोबल लीडर : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को 'प्रेसिडेंट्स कलर' प्रदान किए जाने के कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार हीट वेव से होने वाली मृत्यु दर को शून्य तक लाने की दिशा में काम कर रही है। अमित शाह ने पिछले 20 वर्षों में साहस, समर्पण और परिश्रम से देश का विश्वास अर्जित करने पर एनडीआरएफ के सभी जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई है और 9 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ के जवानों को देखते ही लोगों के मन में सुरक्षा और भरोसे का भाव पैदा होता है। गृह मंत्री ने कहा कि पहले आपदा प्रबंधन केवल राहत और प्रतिक्रिया आधारित था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे रिएक्टिव से आगे बढ़ाकर प्रिवेंटिव और प्रोडक्टिव बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण को 'मिनिमम कैजुअल्टी' से 'जीरो कैजुअल्टी' तक ले जाने का प्रयास कर रही है। अमित शाह ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के 10–सूत्रीय एजेंडा और 360–डिग्री अप्रोच ने डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट को नई दिशा दी है। इसके तहत रिस्क मैपिंग, अर्ली वार्निंग सिस्टम, कम्युनिटी पार्टिसिपेशन और गाइडलाइंस निर्माण जैसे क्षेत्रों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर आपदा प्रबंधन में निर्विवाद रूप से 'ग्लोबल लीडर' और 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बनकर उभरा है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से 'डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर' के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक नेतृत्व स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि सीडीआरआई जम्मू, पंजाब और दिल्ली में आई बाढ़, साइक्लोन मोंथा और साइक्लोन दितवाह जैसी आपदाओं में प्रभावी ढंग से काम किया। इसके अलावा अमरनाथ यात्रा, महाकुंभ, चारधाम यात्रा, मणि महेश यात्रा, सबरीमाला यात्रा और भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों में भी एनडीआरएफ ने समाज के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य किया।

पीएम मोदी की अपील का असर, नितिन गडकरी ने बस से किया सफर

पुणे, (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को संत ज्ञानेश्वर मौली महाराज पालकी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अपने काफिले के बजाय बस से यात्रा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील का समर्थन किया। निरीक्षण यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि वह लंबे समय से वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से वह इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे ईंधनों पर लगातार काम कर रहे हैं। गडकरी ने आगे कहा कि उन्होंने देश का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक कार, ट्रक और बस लॉन्च की है। अब वह कृषि क्षेत्र के लिए मशीनरी और ट्रैक्टर भी लॉन्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में

इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए की नई अर्थव्यवस्था तैयार होगी और भारत धीरे–धीरे पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ष्हमारा लक्ष्य प्रदूषण को खत्म करना और देश को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। यह सपना धीरे–धीरे साकार हो रहा है। लेकिन मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और वैश्विक संकट को देखते हुए हमें पेट्रोल और डीजल की बचत करनी चाहिए। इसी वजह से प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की है।ष केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने भी अपनी व्यवस्थाओं में कटौती की है और इसी कारण वह बस से यात्रा कर रहे हैं। उनका कहना था कि ईंधन बचत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईंधन आपूर्ति पर पड़ रहे असर को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल–डीजल का इस्तेमाल सोच–समझकर करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने लोगों से एक साल तक सोना खरीदने से बचने, खाने के तेल का कम इस्तेमाल करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की भी सलाह दी थी। प्रधानमंत्री की अपील के बाद कई राज्यों में सरकारी स्तर पर ईंधन बचत को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग नीति से उद्योग, रोजगार और निवेश को मिलेगा नया बल : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग नीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। यह नीति राजधानी में माल ढुलाई व आपूर्ति प्रणाली को अधिक कुशल, तेज और कम लागत वाला बनाने के साथ–साथ व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में माल परिवहन से होने वाली भीड़भाड़ को कम करना, प्रदूषण घटाना और राजधानी को एक आधुनिक, कुशल और पर्यावरण अनुकूल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति के तहत शहर के बाहर परिधीय क्षेत्रों में शहरी समेकन एवं लॉजिस्टिक्स वितरण केंद्र (यूसीएलडीसी) विकसित किए जाएंगे, जहां बड़े स्तर पर आने वाले माल को एक स्थान पर एकत्र कर आवश्यकता के

अनुसार शहर के भीतर भेजा जाएगा। साथ ही, बाजार स्तर के गोदाम और सूक्ष्म पूर्ति केंद्र विकसित किए जाएंगे, जिससे सामान की अंतिम चरण तक डिलीवरी तेज और व्यवस्थित होगी। उन्होंने कहा कि अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) का आधुनिकीकरण किया जाएगा तथा लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर, ट्रक टर्मिनल और पार्किंग हब विकसित किए जाएंगे। मंडियों के पास कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे, जिससे भंडारण और परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी और शहर के भीतर ट्रैफिक दबाव कम होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नीति में पर्यावरण संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा ।

चलती बस गैंगरेप मामले पर गरमाई राजनीति, केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। रानी बाग इलाके में चलती बस के अंदर एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। बताया जा रहा है कि करीब 30 वर्षीय महिला को

रात के समय टाइम पूछने के बहाने बस में बैठाया गया, जिसके बाद बस के अंदर उसके साथ करीब दो घंटे तक दरिंदगी की गई। आरोप है कि बस करीब सात किलोमीटर तक शहर में घूमती रही लेकिन कहीं भी पुलिस जांच या रोक–टोक नहीं हुई। बाद में पीड़िता को सड़क पर फेंक दिया गया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि दिल्ली में एक बार फिर चलती बस में गैंगरेप हुआ है और देश ने निर्भया कांड से कोई सबक नहीं लिया। उन्होंने इसे पूरे समाज के लिए कलंक बताया। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले को दो दिनों तक सार्वजनिक नहीं किया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या पुलिस घटना को दबाने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि राजधानी के एक व्यस्त इलाके में दो घंटे तक बस घूमती रही और अंदर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता रहा, लेकिन कानून व्यवस्था पूरी तरह नदारद दिखी।

पवन खेड़ा की गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में आज फिर होगी पेशी

गुवाहाटी, (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बुधवार को पूछताछ के लिए गुवाहाटी स्थित असम क्राइम ब्रांच कार्यालय पहुंचे। उन्होंने क्राइम ब्रांच कार्यालय से निकलते हुए कहा कि मुझे गुरुवार सुबह 9रू30 बजे फिर बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि मैं यहां आऊंगा। मैं सहयोग कर रहा हूं। पवन खेड़ा को फर्जी दस्तावेज, एक से अधिक पासपोर्ट और विदेश में कथित संपत्ति से जुड़े आरोपों के मामले में समन जारी किया गया था। क्राइम ब्रांच दफ्तर पहुंचने से पहले पवन खेड़ा ने कहा था कि वह कानून और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, इसलिए समन के अनुसार पूछताछ में शामिल होने आए हैं। उन्होंने कहा कि पूछताछ पूरी होने के बाद वह विस्तार से अपनी बात रखेंगे।

इस बीच हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि मामले की जांच कानून के मुताबिक आगे बढ़ेगी। अपनी दूसरी लगातार सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार पवन खेड़ा क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए हैं और पुलिस उनसे जरूरी सवाल पूछेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र सरकार की ओर से लिखित रूप में यह जानकारी मिल चुकी है कि जिन दस्तावेजों को पवन खेड़ा ने सार्वजनिक किया था, वे फर्जी थे। उन्होंने कहा कि जांच की गति इस बात पर निर्भर करेगी कि कांग्रेस नेता पुलिस के साथ कितना सहयोग करते हैं। हिमंत सरमा ने कहा, श्अगर वह सहयोग करेंगे तो चार्जशीट या अंतिम रिपोर्ट जल्दी दाखिल होगी, लेकिन सहयोग नहीं मिलने पर जांच में समय लग सकता है। हमारी कोशिश है कि मामले को जल्द पूरा किया जाए। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुईयां शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में पवन खेड़ा और कुछ अन्य लोगों पर चुनाव के दौरान कथित रूप से गलत बयान देने और अपने दावों के समर्थन में फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। क्राइम ब्रांच ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

संपादकीय

इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं

सवाल यह नहीं है कि केजरीवाल की दलीलें कितनी वजनदार थीं। मुद्दा केजरीवाल का यह कहना है कि उन्हें न्यायमूर्ति शर्मा से इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं है। इस शक का साया आगे की कार्यवाही पर भी पड़ा रहेगा। यह घिसा–पिटा कथन, लेकिन महत्त्वपूर्ण मानदंड है कि इंसाफ ना सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। और ऐसा तब कतई नहीं हो सकता, जब जज पर विवाद से संबंधित किसी एक पक्ष को भरोसा ना हो। दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका ठुकराते हुए इस अति महत्त्वपूर्ण पहलू की उपेक्षा कर दी। परंपरा भी यही है कि जहां जज के हित न्याय की अपेक्षा से टकराते हों अथवा जज की निष्पक्षता पर किसी पक्ष को संदेह हो, तो संबंधित न्यायाधीश उस मामले से खुद को अलग कर लेते हैं। दिल्ली उत्पाद नीति से संबंधित मुकदमे में केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत में उपस्थित होकर उनको लेकर अपने संदेह के पक्ष में लंबी दलीलें दीं। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में संभवतरू यह पहली ऐसी कार्यवाही थी, जिसे पूरे देश ने लाइव सुना और देखा। ये दीगर बात है कि बाद में हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स से खुद अपनी उस कार्यवाही के वीडियो को हटाने का विडंबनापूर्ण निर्देश जारी कर दिया। बहरहाल, सवाल यह नहीं है कि केजरीवाल की दलीलें कितनी वजनदार थीं। मुद्दा है कि केजरीवाल ने खुल कर कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति शर्मा से इंसाफ मिलने का भरोसा नहीं है। उनकी पार्टी के नेताओं ने इसको सार्वजनिक चर्चा का विषय बना रखा है। ऐसे में आशंका है कि ठोस तथ्यों के आधार पर भी निर्णय अगर केजरीवाल के खिलाफ आया, तो उसकी विश्वसनीयता पर उनकी ओर सवाल खड़े किए जाते रहेंगे। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि श्अविश्वास के बीज बोनेच की कोशिशों के दरवाजे नहीं खोले जा सकते। उन्होंने कहा कि जज की निष्पक्षता एक पूर्व–धारणा होती है। जज तभी मामले से अपने को अलग कर सकता है, जब वादी इस पूर्व–धारणा का खंडन करने में सफल रहे। हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर है कि केजरीवाल ऐसा करने में विफल रहे। इसलिए वह उनके नैरेटिव से बिना प्रभावित हुए आगे बढ़ेगा। मगर व्यवहार में अक्सर कथानक और दबी जुबान में होने वाली चर्चाओं की अपनी जिंदगी होती है। उनके असर की अनदेखी के अपने जोखिम होते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

कमलेश

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है। समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125: तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक–दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े। हाल के अमेरिकाध्इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10: की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है। दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता

है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है– या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंधा और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दर्शाता है। चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है ।

लोककल्याणकारी दायित्व से पीछे हटती सरकार

शोभित

एसआईआर के तहत मतदाता सूची से काटे गए लाखों नामों के बाद एक गंभीर आशंका बार–बार उठी कि क्या इन लोगों को नागरिक कहलाने का भी हक नहीं रहेगा। अब बिहार और बंगाल की भाजपा सरकारों ने इन आशंकाओं को सही साबित कर दिया है। बंगाल और बिहार की सरकारों ने कहा है कि जिनके नाम एसआईआर में कट चुके हैं, वे अपने राज्यों में सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने सोमवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक की, जिसमें उसने घोषणा की कि राज्य में पिछली सरकारों की सभी सामाजिक योजनाएं जारी रहेंगी, साथ ही टीएमसी के शासन में जिन केंद्रीय कार्यक्रमों को रोका गया था, वे अब उपलब्ध होंगे। हालांकि बैठक में तय हुआ कि न्यायाधिकरणों के समक्ष जिन मतदाताओं के मामले विचाराधीन हैं, उन्हें फैसला होने तक वही सुविधाएं मिलती रहेंगी।बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, श्सरकार के सभी सामाजिक कार्यक्रम, चाहे वे 30 साल पहले शुरू हुए हों या 10 साल पहले, जारी रहेंगे। हालांकि, अब ये सभी योजनाएं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होंगी। किसी भी मृत व्यक्ति, अवैध घुसपैठिए या गैर–भारतीय व्यक्ति को राज्य के नागरिकों के लिए निर्धारित लाभों का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।वहीं बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्जिन लोगों के नाम बिहार की मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, वे राशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं सहित किसी भी सरकारी लाभ के हकदार नहीं होंगे।च इसके बाद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया के जरिए सवाल पूछा है कि एसआईआर के नतीजों के आधार पर बिहार और पश्चिम बंगाल सरकारों के अनुचित निर्णयों के बाद, निम्नलिखित प्रश्न उठता हैरूवैसे तो माननीय अदालत से उम्मीद है कि वह श्री चिदंबरम के उठाए सवालों पर तत्काल विचार करे। क्योंकि आजादी के बाद संविधान तैयार करने और वयस्क मताधिकार लागू करने के पीछे मंशा यही थी कि देश के हर नागरिक को उसका हक मिले। सरकार ने व्यवस्था की कि मतदाता सूची तैयार करने के लिए लोगों तक पहुंचा जाए, कोई भी व्यक्ति इस हक से वंचित न रहे। लेकिन एसआईआर के नाम पर बड़े पैमाने पर न केवल लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया है, बल्कि अब सरकार की लाभकारी योजनाओं का हक भी उनसे छीना जा रहा है। जिस तरह के दस्तावेज मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए मांगे गए हैं, उन पर पहले ही सवाल उठ रहे थे कि गरीब लोग इन्हें कैसे जुटा पाएंगे, उनके पास ले देकर आधार या राशन कार्ड ही मिलता है। अब जो कुछ आम नागरिकों के पास था, वो भी उनसे छीना जा रहा है। इस तरह तो लोककल्याणकारी सरकार की अवधारणा ही बदल जाएगी।मध्यमवर्ग या उच्च तबके की बेशक अपनी परेशानियां हैं, लेकिन कम से कम दो वक्त की रोटी, कुछ दिनों का रोजगार, सरकारी अस्पतालों में सस्ता इलाज, मुफ्त शिक्षा जैसी मदद की जरूरत उन्हें नहीं है। मगर पिछले छह सालों से जिन लोगों का गुजारा सरकार के दिए पांच किलो राशन से हो रहा हो या मनरेगा के तहत जिन्हें कुछ सौ रूपयों की कमाई होती है वे लोग अब कहां जाएंगे। चुनावों में महिलाओं, बेरोजगारों, किसानों, मजदूरों के लिए जिन योजनाओं का वादा किया जाता है, उनसे भी अब ऐसे लोगों को वंचित रखा जाएगा जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है।जैसे बिहार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि श्राज्य में एसआईआर लागू होने के बाद राशन कार्ड धारकों की सूची से लगभग पांच लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं।च वहीं बंगाल के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री अशोक कीर्तनिया ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले भी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं, लेकिन जिनके नाम एसआईआर के माध्यम से हटा दिए गए हैं, वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा सकते।च इसी तरह बंगाल की शहरी विकास और नगर पालिका मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहारू श्हम विश्लेषण करेंगे, जिनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं, वे या तो देश के नागरिक नहीं हैं या मर चुके हैं, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकता।च गौरतलब है कि नागरिकता से संबंधित मामले, जिनमें नागरिकता छीनना भी शामिल है, नागरिकता अधिनियम, 1955 द्वारा शासित होते हैं, और किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करने या नागरिकता रद्द करने का अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है। एसआईआर पर सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई के दौरान, यह प्रश्न उठाया गया था कि क्या यह नागरिकता की कसौटी है। तब निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया था कि यद्यपि उसके पास नागरिकता निर्धारित करने का अधिकार नहीं है, फिर भी संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत नागरिकता की स्थिति को श्सत्यापित्च करने का उसका अधिकार निहित है, जिसमें कहा गया है कि 18 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकते हैं। पिछले साल जुलाई में अदालत में दायर अपने जवाबी हलफनामे में, चुनाव आयोग ने इस बात पर जोर देते हुए कहा थारू श्एसआईआर प्रक्रिया के तहत, किसी व्यक्ति की नागरिकता इस आधार पर समाप्त नहीं होगी कि उसे मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए अयोग्य माना जाता है।च देश विदेश समाचार लेकिन अब सारी प्रक्रिया उसी दिशा में बढ़ती हुई नजर आ रही है, जहां लाखों लोग भारत के नागरिक कहलाने से ही वंचित हो जाएंगे। बता दें कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले बंगाल में 7.66 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के बाद, शुरुआत में 58. 20 लाख मतदाता हटाए गए, जो श्तार्किक विसंगति मामलोंच (यह प्रक्रिया केवल बंगाल के लिए की गई) के निपटारे के बाद बढ़कर लगभग 91 लाख हो गए। वहीं बिहार में लगभग 68 लाख मतदाता हटाए गए हैं। बंगाल में माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि एसआईआर के बाद उन्हें इसी बात का डर था। श्सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि वोटर कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया था कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिकता का प्रमाण नहीं है। अब सच्चाई सामने आ गई है। नाम हटाए जाने का मतलब यह कैसे हो सकता है कि लोग नागरिक नहीं हैं? जबकि टीएमसी के लोकसभा सांसद सौगता रॉय ने कहा, श्लाभों से इस तरह वंचित करना, गैर–नागरिक करार दिया जाना, ।

भाजपा की बंगाल फतह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अहम योगदान

अजय दीक्षित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 25 वर्षों की मेहनत का परिणाम है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस को हरा कर 207 सीट जीती और सत्ता हासिल की ।यह चमत्कार एक दिन या साल में नहीं हुआ बल्कि एक चौथाई शताब्दी लग गई। 21वीं सदी के आरंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य गतिशीलता से आरंभ हुआ हालांकि संघ आजादी के बाद से ही पश्चिमी बंगाल में जड़े जमाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन इस कार्य तेजी जब आई तब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में सरकार बनी । तत्कालीन समय में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक माखनलाल सरकार ने विद्या भारती की स्थापना की और कोलकाता में सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित किए गए। धीरे धीरे ग्राम भारती, संस्कृत भारती, विश्व हिंदू परिषद, बनवासी कल्याण परिषद, मजदूर संघ,आदि संगठन बाजूद में आए। मजदूर संघ के प्रचारक तपन चक्रवर्ती कहते हैं कि लेफ्ट पार्टियों की सरकार ने इन संगठनों पर लगाम लगाने की कोशिश की । सीपीएम, सीपीई, आरएसपी के लोगों ने सरस्वती शिशु मंदिर को जलाने की कई कोशिशें की। कई शिक्षक मारे गए। लेकिन संघ ने हार नहीं मानी ।2010 के आते जाते 5000 से अधिक विद्यालय स्थापित हो गया था। ये विद्यालय बिना शासकीय मदद के संचालित हो रहे थे। लेकिन बंगाल में कार्य करना आसान नहीं होता था।इन विद्यालयों में ग्राम भारती, संस्कृत भारती, बनवासी कल्याण परिषद, सेवा भारती,के प्रकल्प शामिल है कुछ विद्यालय विवेकानन्द विद्या विकास समिति के माध्यम से भी संचालित हैं। भारत में पहला सरस्वती शिशु मंदिर गोरखपुर में 1952 में नाना जी देशमुख ने स्थापित किया था। आजादी के समय जो देश का विभाजन हुआ उसमें मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र को पाकिस्तान में शामिल किया गया और वह क्षेत्र आजादी के बाद पूर्वी पाकिस्तान कहलाया इस हिस्से में हिंदू भी थे जिन्होंने भागकर पश्चिमी बंगाल में शरण ली ऐसा पंजाब में भी हुआ था। लेकिन तब भी पश्चिमी बंगाल में अच्छीखासी संख्या में मुस्लिम रह गए और वे भारत के नागरिक बने ।इनकी संख्या,25 फीसदी के आसपास पहुंच गए हैं। मिदनापुर,मालदा, वीरभूमि, मुर्शिदाबाद, उतर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, प्रेसीडेंसी, कोलकाता में 35 फीसदी तक मुस्लिम होगए ।इस कारण ये लोग हिंसा करने को उतारू हो गए। हिंदू आवादी प्रायरू शांत रहने की आदी है। दूसरे मुस्लिम वोट पहले सीपीएम, सीपीई, क्रस्क्क लेफ्ट पार्टियों जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस से जुड़ गया जबकि हिन्दू वोट का बटवारा हो जाता था जिससे कोई भी पार्टी जीतती वह मुस्लिम तुष्टिकरण करती है। सरकारी योजनाओं का मुस्लिम जम कर उठा रहे थे। पूरे बंगाल में इस प्रकार का माहौल हो गया था।संघ की पत्रिका के संपादक जॉय बनर्जी कहते हैं कि संघ इस बात को लेकर चिंतित था। 2011में ममता बनर्जी बंगाल में सत्ता आई तो कुछ मामला ठीक हुआ लेकिन लेफ्ट पार्टियों में मुस्लिमों को खासा समर्थन था।2016 में भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों में 11.42 वोट हासिल किए तो संघ को लगा कि अब मौका है । दूसरी ओर मोदी सरकार केंद्र में स्थापित हो गई थी तो सुरक्षा में भी इजाफा हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 लोकसभा सीट जीतकर सत्ता परिवर्तन का रास्ता खोल दिया था।2021 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरी कोशिश की । तो भारतीय जनता पार्टी को आंशिक सफलता मिली लेकिन 77 विधायक चुने गए ।2021 से 2026 तक के कालखंड में शिवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, लॉकेट चटर्जी,आदि नेताओं ने जमकर तुड़मूल का सड़को पर विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनजागरण का कार्य किया। लोगो का तुड़मूल में बहुत विरोध हुआ। संदेश खाली,आर जी कर जैसी महिलाओं पर अत्याचार जैसी घटनाएं हुई। 2025 का विधानसभा चुनाव बंगाल के हिंदुओं के लिए अंतिम मौका था । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दो लाख बैठके जनजागरण के लिए की । एस आई आर मतदाता सूची के गहन परीक्षण से साठ लाख लोगों को फर्जी वोटर पाया।चुनाव आयोग ने 2400 बटालियन सीआरपीएफ की लगाई जो मतदाता को निर्भय होकर मतदान कराना निश्चित किया ।तब जाकर रिकॉर्ड 93 फीसदी मतदान हुआ । हिंदुओं के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं की स्थिति थी इस चुनाव में। हिंदुओं का 70 फीसदी तक ध्रुवीकरण हुआ भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में।

पिंजरे का तोता और रबर स्टैंप, सीबीआई को लेकर कई सवाल

सुधीर

सीबीआई की निष्पक्षता और दबाव मुक्त होकर काम करने का सवाल पहली बार राहुल गांधी ने ही उठाया है, ऐसा नहीं है। बल्कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हमेशा से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष की ओर से चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाना आने वाले दिनों में राजनीतिक और संवैधानिक बहस को और तेज कर सकता है और ऐसी बहस शायद अब देश के लिए जरूरी भी हो गई है।राजनीतिक कमेंट्री कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री मोदी को लिखी एक चिठ्ठी से नयी सियासी हलचल खड़ी हो गई है। इस चिठ्ठी में राहुल गांधी ने साफ कह दिया है कि नेता प्रतिपक्ष रबर की मुहर नहीं हो सकता। मतलब सरकार के हर फैसले को चुपचाप मान लें और उस पर कोई सवाल न उठाएं, यह संभव नहीं है। याद दिला दूं कि जब राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष चुना गया था, तब उन्होंने कहा था कि वे संसद में जनता की आवाज उठाएंगे और इस समय राहुल गांधी ठीक वही कर भी रहे हैं।दरअसल मंगलवार को प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश की मौजूदगी में सीबीआई के नए निदेशक के चयन के लिए एक बैठक हुई। जिसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि श्सरकार ने चयन प्रक्रिया को महज एक औपचारिकता बना दिया है। उन्होंने सीबीआई निदेशक के लिए 69 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड समय पर न मिलने और पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं और फिर एक पत्र लिखकर विस्तार से अपना विरोध दर्ज किया। पत्र में राहुल गांधी ने लिखा, सीबीआई के अगले निदेशक की सिफारिश करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष के तौर पर लिख रहा हूं, ताकि मैं इसकी कार्यवाही को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकूं। आपकी सरकार ने भारत की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई का राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए बार–बार दुरुपयोग किया है। संस्था पर ऐसे कब्जे रोकने के लिए ही चयन समिति में विपक्ष के नेता को शामिल किया जाता है। अफसोस की बात है कि आपने इस प्रक्रिया में मुझे कोई भी सार्थक भूमिका देने से लगातार इनकार किया है। बार–बार अनुरोध करने के बावजूद मुझे योग्य उम्मीदवारों की सेल्फ–अप्रेजल (स्व–मूल्यांकन) और 360–डिग्री रिपोर्ट देखने की अनुमति नहीं दी गई। मुझसे यह उम्मीद की जा रही थी कि मैं समिति की असल बैठक के दौरान ही पहली बार 69 उम्मीदवारों के मूल्यांकन रिकॉर्ड की समीक्षा कर लूं। प्रत्येक उम्मीदवार के इतिहास और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए इन रिकॉर्ड की विस्तृत समीक्षा करना बेहद जरूरी है।श्राहुल गांधी ने अपने पत्र में दावा किया कि जानकारी से जान–बूझकर वंचित रखने का यह काम यह सुनिश्चित करता है कि केवल सरकार का पहले से तय उम्मीदवार ही चुना जाए, जिससे पूरी कानूनी प्रक्रिया का मजाक उड़ता है। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने पांच मई 2025 को अपनी असहमति दर्ज कराई थी, और उसके बाद 21 अक्टूबर, 2025 को एक निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए सुझाव दिए थे, जिस पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। राहुल गांधी ने आगे कहा कि चयन समिति को जरूरी जानकारी न देकर, सरकार ने इसे महज एक औपचारिकता बना दिया है। विपक्ष का नेता कोई रबर स्टैंप नहीं होता। इसलिए मैं इस पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया में हिस्सा लेकर अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता। मैं कड़े शब्दों में अपनी असहमति जता रहे हैं।राहुल गांधी की चिठ्ठी पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन जब भी जांच एजेंसियों का राजनैतिक इस्तेमाल करने का आरोप विपक्ष लगाता है, भाजपा 2013 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति आर एम लोढ़ा की टिप्पणी याद दिलाती है कि तब कोयला घोटाले की जांच में उन्होंने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। हालांकि भाजपा को याद रखना चाहिए कि सितंबर 2024 में दिल्ली शराब नीति घोटाले के आरोप में सीबीआई द्वारा दायर मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल को को जमानत देते हुए न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने अपने फैसले में लिखारू श्कुछ समय पहले ही इस न्यायालय ने सीबीआई की कड़ी आलोचना करते हुए उसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह आवश्यक है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे कि वह पिंजरे में बंद तोता है। बल्कि, यह धारणा बननी चाहिए कि वह एक खुले तोते की तरह है।तो सीबीआई की निष्पक्षता और दबाव मुक्त होकर काम करने का सवाल पहली बार राहुल गांधी ने ही उठाया है, ऐसा नहीं है। बल्कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति हमेशा से संवेदनशील और महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष की ओर से चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाना आने वाले दिनों में राजनीतिक और संवैधानिक बहस को और तेज कर सकता है और ऐसी बहस शायद अब देश के लिए जरूरी भी हो गई है। क्योंकि उसके बाद शायद ईडी या सीबीआई जैसी संस्थाओं की पुरानी साख वापस लौट सके। ध्यान रहे कि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 26 जुलाई 2022 को एक पत्र लिखा था, जिसमें आरोप लगाया था कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों का निरंतर और तीव्र दुरुपयोग कर रही है। इस पत्र में लिखा गया था कि श्कानून को बिना किसी डर या उत्साह के लागू किया जाना चाहिए। लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मौजूदा समय में मनमाने ढंग से, चुनिंदा और बिना किसी औचित्य के कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के खिलाफ इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इस अभियान का एकमात्र उद्देश्य प्रतिष्ठा को नष्ट करना और भाजपा से वैचारिक व राजनीतिक रूप से लड़ने वाली ताकतों को कमजोर करना है। यह हमारे देश के लोगों का ध्यान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी और आजीविका के नुकसान और जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की बढ़ती असुरक्षा की उनकी सबसे जरूरी दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने के लिए भी किया जा रहा है।श इस साझा पत्र पर दस्तखत करने वालों में आरजेडी, शिवसेना, डीएमके, एमडीएमके, टीआरएस, नेशनल कॉन्फ्रेंस, सीपीआई, सीपीएम, आरएसपी समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल थे। दरअसल देश को विपक्ष मुक्त करने की नीयत से भाजपा ने कई दलों में फूट डलवाई, कई राज्यों में सत्ता हथियाई थी। उसके बाद भी जिन लोगों ने दबाव में आने से इंकार किया, तो उन्हें केंद्रीय एजेंसियों के रडार लिया गया। ऐसे नेताओं की सूची काफी लंबी है।

शाहगंज दूल्हा हत्याकांड आरोपी के घर से 2.33 लाख रुपए की अवैध दवाएं बरामद

पुलिस और ड्रग विभाग की संयुक्त छापेमारी में बड़ी कार्रवाई, जांच के लिए भेजे गए सैंपल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित शाहगंज कोतवाली थाना के चर्चित दूल्हा हत्याकांड में एक नया खुलासा सामने आया है। मामले के आरोपी शुभम सिंह के घर पर गुरुवार को पुलिस और ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध एलोपैथिक दवाएं बरामद की हैं। बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत 2 लाख 33 हजार 860 रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई खेतासराय थाना क्षेत्र के सरवरपुर वार्ड नंबर–1 स्थित मकान नंबर 70 में की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दूल्हा हत्याकांड के आरोपी शुभम सिंह के घर में बिना लाइसेंस के अवैध रूप से दवाओं का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही खेतासराय पुलिस, ड्रग इंस्पेक्टर रजत कुमार पांडेय तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी भानु प्रताप सिंह की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी शुरू की।

छापेमारी के दौरान आरोपी की मां संगीता सिंह घर पर मौजूद थीं। तलाशी के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं मिलीं, जिनके संबंध में कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद अधिकारियों ने दवाओं को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। ड्रग इंस्पेक्टर रजत कुमार पांडेय और खाद्य सुरक्षा अधिकारी भानु प्रताप सिंह ने मौके पर दवाओं के दो अलग–अलग सैंपल एकत्र कर जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेज दिए। वहीं ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत शेष दवाओं को सूचीबद्ध कर चार प्लास्टिक की बोरियों में भरकर सील कर दिया गया। इस संबंध में शुक्रवार को ड्रग इंस्पेक्टर रजत कुमार पांडेय ने बताया कि बरामद दवाओं की लैब रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट प्राप्त होने तथा विभागीय जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय में मामला दर्ज कराया जाएगा।

गंभीर हार्ट फेलियर से जूझ रही 77-वर्षीय महिला का मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में उन्नत कार्डियक प्रक्रिया से हुआ सफल इलाज

समय पर इलाज और आधुनिक पेसमेकर थेरेपी से मरीज की हालत में सुधार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने गंभीर हार्ट फेलियर और शरीर में खून के बहाव की गंभीर समस्या से जूझ रही 77–वर्षीय महिला का सफल इलाज किया। डॉक्टरों ने एडवांस्ड कार्डियक पेसिंग प्रक्रिया के जरिए मरीज की जान बचाई। लखनऊ निवासी, श्रीमती नमिता श्रीवास्तव, पिछले लगभग एक महीने से लगातार तेज दिल की धड़कन, अनियमित होने, सांस फूलने, कमजोरी, चक्कर आने और लो ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं से परेशान थीं। वह पहले से हाई ब्लड प्रेशर और दिल के बढ़ने तथा कमजोर होने की मरीज थीं। उनके दिल की पंपिंग क्षमता काफी कम हो चुकी थी, जो हार्ट फेलियर का संकेत था। पिछले महीने वह कई बार घर पर बेहोश भी हो चुकी थीं। बेहतर इलाज के लिए, श्रीमती नमिता श्रीवास्तव को मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ की इमरजेंसी में लाया गया। जांच में डॉक्टरों ने पाया कि उन्हें बार–बार एट्रियल फिब्रिलेशन की समस्या हो रही थी, जिसमें दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। इसके साथ ही उन्हें टैकी–ब्रेडी सिंड्रोम भी था, जिसमें दिल की धड़कन कभी बहुत तेज और कभी बहुत धीमी हो जाती है। उनकी स्थिति कार्डियोजेनिक शॉक तक पहुंच चुकी थी और किडनी पर भी असर पड़ने लगा था, जिससे यूरिन आउटपुट कम हो गया था। हालांकि दिल की धमनियां सामान्य थीं, लेकिन डॉक्टरों ने पाया कि दिल की इलेक्ट्रिकल सिस्टम पर गंभीर असर पड़ा है। साथ ही उन्हें लेफ्ट बंडल ब्रांच ब्लॉक की समस्या भी थी, जिससे दिल के बाएं हिस्से तक इलेक्ट्रिकल सिग्नल पहुंचने में देरी हो रही थी और हार्ट फेलियर की स्थिति और गंभीर हो रही थी। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के कार्डियोलॉजी विभाग के डायरेक्टर एवं यूनिट हेड – डॉ. दानिश हसन काजमी के नेतृत्व में कार्डियोलॉजी टीम ने मरीज का सीआरटी–पी इम्प्लांटेशन किया। यह एक उन्नत पेसमेकर थेरेपी है, जो दिल के दोनों हिस्सों की धड़कन को एक साथ संतुलित कर दिल की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करती है। प्रक्रिया के बाद मरीज की स्थिति में काफी सुधार देखा गया। दिल की धड़कन स्थिर हुई और हार्ट फेलियर के लक्षणों में भी राहत मिली। लगातार कार्डियक मॉनिटरिंग और अन्य जरूरी इलाज के बाद मरीज को स्थिर हालत में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस बारे में जानकारी देते हुए, डॉ. दानिश हसन काजमी, ने कहा, "सीआरटी–पी जैसी उन्नत कार्डियक रिदम मैनेजमेंट थेरेपी सही समय पर किए जाने पर हार्ट फेलियर के मरीजों की जिंदगी और जीवन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार ला सकती है। खासतौर पर बुजुर्ग मरीजों में सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना, चक्कर आना या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है।" यह जटिल कार्डियक केस का सफल इलाज मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की उन्नत और मरीज केंद्रित कार्डियक सेवाओं को दर्शाता है। अस्पताल आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ क्षेत्र में गंभीर और जटिल हृदय रोगों के इलाज की सुविधाओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

नीट पेपर लीक के विरोध में ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने बदलापुर तहसील क्षेत्र में संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा देने तथा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को समाप्त करने की मांग उठाई। देशव्यापी विरोध सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बदलापुर सब्जी मंडी स्थित संगठन कार्यालय से जुलूस निकाला, जो इंदिरा चौक होते हुए तहसील परिसर पहुंचा। यहां प्रदर्शन के बाद महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार बदलापुर को सौंपा गया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में नीट यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक के आरोपों और सीबीआई जांच के आदेश ने केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे पेपर लीक, हेरफेर और भ्रष्टाचार से छात्रों और अभिभावकों का परीक्षा प्रणाली से विश्वास उठता जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि मौजूदा परीक्षा व्यवस्था कोचिंग उद्योग और शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा दे रही है, जिससे छात्रों पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के लिए व्यापक छात्र आंदोलन की जरूरत बताई। कार्यक्रम को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन जिलाध्यक्ष इन्दुकुमार शुक्ल, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन के राज्य सचिव दिलीप कुमार तथा अभिभावक प्रमोद कुमार शुक्ल ने संबोधित किया। संचालन संतोष प्रजापति ने किया। इस दौरान रामकुमार यादव, राजबहादुर विश्वकर्मा, यशवंत राव, अंजली सरोज, पूनम प्रजापति, साधना, रोशनी, एकता खरवार, राकेश निषाद सहित बड़ी संख्या में छात्र–युवा मौजूद रहे।

यूपी में आंधी–तूफान से 96 की मौत, भदोही में 18 और प्रयागराज में 17 लोगों की गई जान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को आए तेज आंधी–तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी–पानी की चपेट में आने से अलग–अलग जिलों में 96 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। सबसे ज्यादा वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर मंडल में लोगों की मौत हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान और टीन शेड उड़ गए, वहीं, फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बारिश और धूल भरी आंधी के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित रही। कई जगह पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। मरने वालों में भदोही में 18, मिर्जापुर में 15, प्रयागराज में 17, प्रतापगढ़ और बरेली में 4–4, फतेहपुर में 10, उन्नाव और बदायूं में 6–6, सीतापुर, रायबरेली, चंदौली, कानपुर देहात,

हरदोई और संभल में दो–दो, कौशांबी, शाहजहांपुर, सोनभद्र और लखीमपुरखीरी में एक–एक लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुए नुकसान पर पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम 24 घंटे के अंदर पूरा किया जाए। सीएम ने मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने सभ प्रदेश में एक ओर जहां आंधी बारिश से नुकसान के अलावा गर्मी से कुछ राहत मिली, वहीं बुंदेलखंड समेत दक्षिणी जिलों में तेज धूप और भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। बांदा 45.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा झांसी में 44.5, प्रयागराज में 43.5, हमीरपुर में 43.2 और उरई में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बृहस्पतिवार से तापमान में धीरे–धीरे बढ़ोतरी होगी आंधी की वजह से दिल्ली–हावड़ा रूट करीब डेढ़ घंटे के लिए बाधित हो गया। फतेहपुर में पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई। इससे कानपुर होकर आने–जाने वाली करीब 22 ट्रेनें प्रभावित हुई। शाम छह बजे ट्रेनों का संचालन शुरू हो सका। प्रयागराज–जौनपुर रेल खंड पर थरवई और सरायचंडी रेलवे स्टेशन के बीच गेट नंबर आठ–सी पर एक भारी–भरकम पेड़ अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर गिर गया, जिसके चलते इस व्यस्त रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से ठप हो गया। लखनऊ और प्रतापगढ़ रूट पर भी आंधी का असर पड़ा।

व्यापारियों की समस्याओं को सड़क से सदन तक उठाने का ऐलान

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के व्यापार प्रकोष्ठ की पहली प्रादेशिक बैठक बुधवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक का नेतृत्व नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने किया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए व्यापारियों, छोटे कारोबारियों, फेरी–पटरी संचालकों और सर्राफा व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में व्यापारियों के मुद्दों को सड़क से सदन तक उठाने का ऐलान किया गया।मनोज मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में छोटे व्यापारी, ठेला–खोमचा संचालक, फेरी–पटरी व्यवसायी और मध्यम कारोबारी लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई, प्रशासनिक उत्पीड़न, स्थानीय दबंगों की दबंगई और शासकीय उपेक्षा के कारण व्यापारी वर्ग आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापारी भय के वातावरण में अपना कारोबार करने को विवश हैं।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के मार्गदर्शन में व्यापारियों की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाया जाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में संगठन को सशक्त किया जाएगा तथा प्रत्येक जनपद में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मनोज मिश्रा ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि बड़े उद्योगपतियों के हजारों करोड़ रुपये के ऋण माफ किए जा सकते हैं तो छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पचास हजार रुपये से लेकर दस लाख रुपये तक का व्यापारिक ऋण लेने वाले छोटे व्यापारियों का कर्ज तत्काल माफ किया जाए, जिससे वे आर्थिक संकट से उबर सकें।सर्राफा कारोबार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि लोगों को खरीदारी से दूर रहने की सलाह दी जाएगी तो इसका सीधा असर व्यापारियों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सर्राफा व्यापारी बड़े निवेश, किराया, वेतन और ऋण भुगतान जैसी जिम्मेदारियों के साथ कारोबार करते हैं, ऐसे में इस क्षेत्र की अनदेखी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है।उन्होंने कहा कि व्यापारी समान रूप से कर का भुगतान करते हैं, लेकिन सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और शासकीय संरक्षण के मामले में उनके साथ भेदभाव होता है।

सई नदी में नहाते समय डूबने से दो युवकों की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में लाइनबाजार थाना क्षेत्र के सलखापुर गांव के पास शुक्रवार की दोपहर में सई नदी में दो युवक डूब गए।दोनो युवकों को उनके साथ के युवकों ने नदी से बाहर निकालकर जिला चिकित्सालय ले गए।वहाँ पर चिकित्सक ने दोनों युवकों की हालत गम्भीर देखते हुए रेफर कर दिया गया।जिसके बाद दोनो को एक निजी चिकित्सालय में ले जाया गया।वहां पर चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जफराबाद के बैजाबाद गांव के लगभग एक दर्जन से युवक सलखापुर गांव के पास सई नदी में नहाने गए थे।नहाते समय दो युवक डूबने लगे।अन्य युवक उन्हें ढूंढने लगे।काफी देर तक खोजबीन के बाद दोनों युवक बेहोशी की हालत में नदी के पानी मे मिले।उन दोनों को युवक अपनी बाइक से तत्काल जिला चिकित्सालय ले गए।वहां पर दोनो युवकों राजन चौहान (25) पुत्र अनिल चौहान तथा रवि चौहान (25)पुत्र राय चौहान की हालत काफी नाजुक देख कर बेहतर उपचार के लिए अन्यत्र रेफर कर दिया।आनन फानन में उन्हें एक निजी चिकित्सालय में ले गए।वहाँ पर चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस मामले में जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष लाइन बाजार केके सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय भेजा गया है आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वाहन चोरी का खुलासा, दो चोरी की स्कूटी बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पश्चिमी क्षेत्र के कोतवाली दुबग्गा थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए चोरी की दो स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की दोनों स्कूटी बरामद कीं। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूरी कर अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार कोतवाली दुबग्गा क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मछली मंडी मार्ग स्थित निर्माणाधीन थाना परिसर के पास से शब्बु आलम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे की गई।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई, जबकि उसकी निशानदेही पर दूसरी स्कूटी भी बरामद कर ली गई। दोनों वाहन कोतवाली दुबग्गा क्षेत्र से चोरी किए गए थे। बरामदगी के आधार पर मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की वैधानिक कार्यवाही की गई हैपुलिस के मुताबिक 10 मई को अवध इन्क्लेव क्षेत्र निवासी शोएब मिर्जा ने अपनी चांदी रंग की स्कूटी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद 12 मई को मोहम्मद सरताज ने अपनी धूसर रंग की स्कूटी चोरी होने की सूचना पुलिस को दी थी। दोनों घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस लगातार निगरानी और जांच कर रही थी।

रचनात्मक कांग्रेस समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर जनहित आधारित राजनीति को देगी नई दिशा- संदीप दीक्षित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरू भवन में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने संगठन की भूमिका, उद्देश्य और कार्ययोजना को विस्तार से साझा किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस समान विचारधारा रखने वाले सामाजिक संगठनों, समुदायों और विभिन्न जनआंदोलनों को जोड़ने का कार्य करेगी तथा आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भारत गठबंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए संदीप दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों और संविधान की भावना में विश्वास रखने वाले लोगों के साथ संवाद करती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार में रहते हुए कांग्रेस ने नीतियां बनाते समय विभिन्न सामाजिक समूहों और समुदायों से विचार–विमर्श किया तथा विपक्ष में रहते हुए भी यह प्रक्रिया जारी है। रचनात्मक कांग्रेस इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और उनकी बातों को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाने का कार्य करेगी।उन्होंने कहा कि बीते दो दिनों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, युवा प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ सार्थक संवाद और विचार–विमर्श किया गया। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके सुझाव, अनुभव और विचारों को सुना गया। उन्होंने बताया कि नागरिक समाज के सदस्यों ने संगठन की भावी कार्यशैली, जनसरोकारों और रचनात्मक राजनीति को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए हैं। संदीप दीक्षित ने कहा कि दौरे के दौरान व्यक्तिगत स्तर पर भी कई मुलाकातें हुईं, जिनमें सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर गंभीर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना और उसके उद्देश्यों में आम जनमानस की भावना को विशेष महत्व दिया जाएगा। संगठन का उद्देश्य संवाद आधारित, सकारात्मक और जनहित केंद्रित राजनीति को मजबूत करना है।उन्होंने कहा कि रचनात्मक कांग्रेस देश में वैचारिक संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभागीदारी को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

प्रतीक यादव का हुआ अंतिम संस्कार, ससुर अरविंद बिष्ट ने दी मुखाग्नि

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रतीक यादव का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए बैकुंठधाम लाया गया है। अब से कुछ ही देर में अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस समय बड़ी संख्या में यादव परिवार से जुड़े लोग मौजूद हैं। प्रतीक का अंतिम संस्कार उनके ससुर अरविंद सिंह बिष्ट करेंगे। प्रतीक यादव की अंतिम यात्रा की तैयारी शुरू हो गई है। उनका अंतिम संस्कार बैकुंठधाम में किया जाएगा। इस दौरान पूरा यादव परिवार मौजूद है। प्रतीक यादव का कुछ ही देर में अंतिम संस्कार होना है। अंतिम यात्रा के लिए गाड़ी को फूलों से सजाया गया है। कुछ ही देर में अंतिम यात्रा विक्रमादित्य मार्ग स्थित प्रतीक यादव के घर से बैकुंठ धाम के लिए रवाना होगी। सांसद डिंपल यादव ने अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रतीक यादव के निधन पर लखनऊ की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा, ष्यह बहुत दुखद है, खासकर अपर्णा के लिए, जिनकी दो छोटी बेटियां हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का कुछ ही देर में अंतिम संस्कार होगा, अंतिम यात्रा के लिए गाड़ी को फूलों से सजाया गया है। कुछ ही देर में अंतिम यात्रा विक्रमादित्य मार्ग स्थित प्रतीक यादव के घर से बैकुंठ धाम के लिए रवाना होगी। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने प्रतीक यादव के निधन पर कहा कि ष्यह दुखद घटना है। ईश्वर से प्रार्थना है कि परिवार को दुख सहने की शक्ति दें। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ष्यह अत्यंत दुखद क्षण है। प्रतीक यादव हमें असमय छोड़कर चले गए। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता

हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ईश्वर पूरे परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अपर्णा यादव ने अपने पोस्ट में परिवार के लिए इस समय को बेहद दुखद बताया है। उन्होंने सभी से अंतिम संस्कार में गरिमामयी उपस्थिति की प्रार्थना की है। कई नेताओं ने प्रतीक यादव के निधन पर दुख व्यक्त किया है। समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का अंतिम संस्कार आज 11 बजे किया जाएगा। यह जानकारी उनकी पत्नी अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर साझा की है। अंतिम संस्कार लखनऊ के बैकुंठ धाम (भैंसाकुंड) में संपन्न होगा। प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के बाद विक्रमादित्य मार्ग स्थित उनके आवास पर सुबह से ही संवेदना व्यक्त करने वालों का हुजूम उमड़ पड़ा। दो सौ मीटर तक प्रतीक के चाहने वालों का तांता लगा रहा। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए और मुख्य द्वार से लेकर दो सौ मीटर तक पुलिस तैनात रही। सुबह आठ बजे से ही प्रतीक यादव के आवास पर रिश्तेदारों, करीबियों और समर्थकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

अस्पताल बना मंडप, आईसीयू में भरी मांग, फेरों से पहले निभा दिया वचन इसलिए दुल्हन को कराना पड़ा था भर्ती

गोरखपुर, (संवाददाता)। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के

लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी–ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे।

मेधावियों ने लगाई अंकों की झड़ी, बोले– गोरक्षनगरी का नाम किया रोशन

गोरखपुर, (संवाददाता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित होते ही गोरक्षनगरी के स्कूलों और घरों में खुशी का माहौल छा गया। दोपहर करीब दो बजे रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र–छात्राएं मोबाइल और लैपटॉप पर अपने अंक देखने में जुट गए। कई दिनों से परिणाम का इंतजार कर रहे विद्यार्थियों के चेहरे अच्छे अंक आते ही खिल उठे। स्कूल परिसरों में मिठाइयां बांटी गईं तो घरों में भी जश्न का माहौल रहा। इस बार भी शहर के मेधावियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। आरपीएम एकेडमी की संस्कृति गुप्ता और क्रिस किंजल विद्यालय के अभिनंदनेश ने 98.4 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में अपनी अलग पहचान बनाई। वहीं आरपीएम एकेडमी की उज्ज्वला कुमारी यादव ने 97.8 प्रतिशत और निहाल मौर्या ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया। रिजल्ट जारी होने से पहले सुबह से ही विद्यार्थियों और अभिभावकों की नजरें सीबीएसई की वेबसाइट पर टिकी रहीं। कोई मोबाइल पर बार–बार पेज रिफ्रेश करता दिखा तो कोई दोस्तों से जानकारी लेता रहा। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, विद्यार्थियों ने सबसे पहले अपने करीबी दोस्तों और शिक्षकों को फोन कर खुशखबरी दी। इसके बाद स्कूलों में छात्र–छात्राओं का पहुंचना शुरू हो गया। शिक्षकों ने मेधावियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शहर के कई घरों में पूरे दिन बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। अभिभावकों ने बच्चों की मेहनत और अनुशासन को सफलता का श्रेय दिया। दूसरी ओर कुछ विद्यार्थियों के चेहरे अपेक्षित अंक न आने से मायूस भी दिखे। जानकारी के अनुसार जिले में सीबीएसई इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए करीब 11 हजार विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था, जिसमें लगभग 8500 परीक्षार्थी शामिल हुए। पिछले वर्ष जहां 80 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए थे, वहीं इस बार सफलता प्रतिशत घटकर 78 प्रतिशत रह गया। क्रिस क्रिंगल स्कूल के छात्र अविनंदनेश अशेष उमर ने सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 12वीं परीक्षा में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। तारामंडल निवासी अविनंदनेश की मां मंजरी गुप्ता गृहिणी हैं, जबकि पिता आशीष उमर सरकारी शिक्षक हैं। अविनंदनेश ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता और विद्यालय के शिक्षकों को दिया।

संक्षिप्त खबरें

स्वगणना में लोगों के छूट रहे पसीने, लोकेशन खोजने से लेकर 'नेक्स्ट' बटन तक अटक रही प्रक्रिया

भदोही, (संवाददाता)। जनगणना की ऑनलाइन स्वगणना प्रक्रिया तकनीकी दिक्कतों में उलझती नजर आ रही है। कहीं सर्वर बार–बार ठप हो रहा है तो कहीं जीपीएस मकान की सही लोकेशन ही नहीं खोज पा रहा है।ऐसे में लोग ऑनलाइन स्वगणना का प्रयास छोड़कर प्रगणकों के घर आने का इंतजार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी मकान की लोकेशन दर्ज करने में सामने आ रही है। पोर्टल पर जीपीएस ऑन करने के बावजूद घर की लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही। किसी का मकान दूसरे मोहल्ले में दिख रहा है तो किसी की लोकेशन बार–बार बदल जा रही है। नई कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों में समस्या और गंभीर बनी हुई है। स्थिति यह है कि मोबाइल हाथ में लेकर घर के बाहर और गलियों में घूमने के बाद भी सिस्टम सही लोकेशन नहीं पकड़ रहा। खड़सरा निवासी मधुरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 से 20 बार प्रयास करने के बाद भी स्वगणना पूरी नहीं हो सकी। लॉगिन के बाद किसी तरह घर की लोकेशन जीपीएस पर कंफर्म की, लेकिन इसके बाद आगे बढ़ने के लिए 'सेव' और 'नेक्स्ट' विकल्प ही नहीं खुला। हर बार प्रक्रिया दोबारा शुरू करनी पड़ रही है। जगदरा निवासी चंद्रप्रकाश का कहना है कि कई बार कोशिश करने के बावजूद पोर्टल उनके मकान की लोकेशन नहीं खोज पाया। पंदह निवासी अनूप राय ने बताया कि ओटीपी आने में इतना समय लग जा रहा कि तब तक पेज ही एक्सपायर हो जा रहा है।

रतसर और कड़सर क्षेत्र में 22 मई तक गुल रहेगी बिजली

भदोही, (संवाददाता)। विद्युत उपकेंद्र कड़सर और रतसर के उपभोक्ताओं के लिए आने वाले दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। विद्युत वितरण खंड बलिया नगर के अंतर्गत इन दोनों उपकेंद्रों से जुड़े क्षेत्रों में 14 मई 2026 से 22 मई 2026 तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। अधिशासी अभियंता की ओर से बताया गया है कि रतसर एवं कड़सर उपकेंद्रों से निकलने वाले 11 केवी फीडरों पर डबल सर्किट बिछाने का कार्य किया जाना है। इस नई व्यवस्था से भविष्य में लो–वोल्टेज और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। इसी तकनीकी कार्य को पूरा करने के लिए बिजली कटौती का निर्णय लिया गया है। विद्युत निगम के अनुसार इन दोनों उपकेंद्रों से जुड़े समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की आपूर्ति निर्धारित अवधि तक बाधित रहेगी। हालांकि, विभाग ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट किया है कि प्रतिदिन शाम 5 बजे के बाद आपूर्ति को पुनः सुचारू कर दी जाएगी। विभाग की अपील विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने और कार्य में सहयोग करने की अपील की है। पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए वैकल्पिक ऊर्जा साधनों का प्रबंध रखें। पूर। भीषण गर्मी में इलाके में भयंकर कटौती हो रही है। 18 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति का दम भले ही बिजली निगम भर रहा है। लेकिन धरातल पर ये दावे हवा–हवाई साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कागजों पर आपूर्ति चाहे जो हो, असलियत में लोग बूंद–बूंद पानी और पंखे की हवा के लिए तरस रहे हैं। विद्युत उपकेंद्र गौरा मदनपुर के अवर अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि यह इमरजेंसी कटौती स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि सीधे कंट्रोल रूम से की जा रही है।

राजस्व टीम पर हमला कर छुड़ा ले गए सीज गाड़ियां, आरोप– अफसरों को दौड़ाया भी

गोरखपुर, (संवाददाता)। सहजनवां थाना क्षेत्र के भटवल गांव में मंगलवार रात अवैध मिट्टी खनन की सूचना पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम पर मनबढ़ों ने हमला कर कब्जे में ली

गई गाड़ियां छुड़ा लीं। विरोध करने पर नायब तहसीलदार की टीम के सदस्यों से अभद्रता की गई और उनका तहसील मुख्यालय तक पीछा किया गया। हलका लेखपाल की तहरीर पर सहजनवां पुलिस ने दो नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, भटवल गांव में रात के समय अवैध मिट्टी खनन की सूचना प्रशासन को मिली थी। इसके बाद नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया के नेतृत्व में तीन लेखपाल और होमगार्ड सरकारी वाहन से मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान एक खेत में टीवर मशीन से मिट्टी की खुदाई होती मिली, जबकि आसपास कई डंपर खड़े थे। राजस्व टीम ने एक चालक को पकड़ लिया और चार गाड़ियों को कब्जे में लेकर खड़ा करा दिया। आरोप है कि इसी दौरान करीब दो दर्जन लोग मौके पर पहुंच गए और टीम से कहासुनी करने लगे। देखते–देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोपियों ने जबरन गाड़ियां छुड़ा लीं और विरोध करने पर टीम पर हमले की कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख राजस्व कर्मी सरकारी वाहन से वहां से निकले, लेकिन आरोप है कि मनबढ़ कार से उनका पीछा करते हुए तहसील मुख्यालय तक पहुंच गए। हलका लेखपाल प्रणव सोनकर ने बुधवार को सहजनवां थाने में तहरीर देकर दो नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी संजय मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

जूनियर डॉक्टरों पर मरीज के परिजनों से मारपीट का आरोप, तनाव का माहौल

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के वार्ड नंबर नौ में बुधवार दोपहर अफरा–तफरी मच गई। आरोप है कि भर्ती मरीज के तीन तीमारदारों को जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंद कर पीटा। घटना से वार्ड में दहशत फैल गई और अन्य मरीजों के तीमारदार गलियारे में निकल आए। इस दौरान सुरक्षा गार्ड मूकदर्शक बने रहे। सूचना पर पहुंची मेडिकल चौकी पुलिस तीनों तीमारदारों को छुड़ाकर चौकी ले गई। ज्तमदकपदह टपकमवे जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र के अकटहिया खोठ्ठा बाजार निवासी वीरेंद्र तिवारी (72) हृदय रोग से पीड़ित हैं। उन्हें चार दिन पहले मेडिसिन वार्ड नंबर नौ में भर्ती कराया गया था। बुधवार को सुपर स्पेशयलिटी के कॉर्डियोलॉजी विभाग के एक चिकित्सक ने जांच के बाद मरीज को दो दिन और भर्ती रखने की सलाह दी थी। आरोप है कि जब तीमारदार मरीज को वापस वार्ड में लेकर पहुंचे तो वहां मौजूद एक जूनियर डॉक्टर मरीज को घर ले जाने की बात कहने लगा। तीमारदारों ने वरिष्ठ चिकित्सक की सलाह का

हवाला दिया तो विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसके बाद 15 से 20 जूनियर डॉक्टरों ने गार्डों की मदद से तीन तीमारदारों को कमरे में बंद कर पीटा। घटना के दौरान अन्य मरीजों और महिलाओं ने वीडियो बनाने की कोशिश की तो उनके साथ भी अभद्रता का आरोप है। बिहार के छपरा निवासी रीना सिंह अपने भाई कृष्णा का इलाज करा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया गया। तीमारदारों का कहना है कि उन्हें अलग–अलग कमरों में बंद कर तीन बार पीटा गया। घटना के बाद वार्ड में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है ।

संक्षिप्त खबरें

नौ केंद्रों पर 3206 डीएलएड प्रशिक्षुओं ने दी परीक्षा, 125 रहे अनुपस्थित

भदोही, (संवाददाता)। डीएलएड द्वितीय सेमेस्टर–2026 की परीक्षा बुधवार को नौ केंद्रों पर हुई। इन केंद्रों पर प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा संपन्न हो गई। 3331 प्रशिक्षुओं को परीक्षा देनी थी। 125 ने परीक्षा छोड़ दी। 3206 ने ही परीक्षा दिए। परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मुरलीमनोहर टाउन इंटर कॉलेज , कुंवर सिंह इंटर कॉलेज, गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज, शहीद मंगल पाण्डेय इंटर कॉलेज नगवा, राम सिंहासन इंटर कॉलेज दुबहर, सुखपुरा इंटर कॉलेज एवं इंटर कॉलेज दिउली पर हुई। प्रथम प्रश्न पत्र में गणित, विज्ञान व सामाजिक अध्ययन से संबंधित विषय शामिल रहे। परीक्षा दो पालियों में कराई गई। प्रथम पाली की परीक्षा 10 से 12 बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर बाद डेढ़ से साढ़े तीन बजे तक हुई। परीक्षा शुचितापूर्ण ढंग से हुई। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को होने वाली परीक्षा में डीएलएड के बैक पेपर वाले प्रशिक्षु भी शामिल होंगे।

समाज कल्याण विभाग के सात कर्मियों का वेतन रोका

भदोही, (संवाददाता)। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बुधवार को विकास भवन सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान सख्ती दिखाई। योजनाओं की धीमी प्रगति और कर्मचारियों की अनुशासनहीनता पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने समाज कल्याण विभाग के सात अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष बैठकें आयोजित कर सभी पेंशनरों का शत–प्रतिशत सत्यापन कराया जाए। जो लाभार्थी अपात्र हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम तत्काल सूची से काटे जाएं। वहीं, जो पात्र व्यक्ति अब तक योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें खोजकर फौरन लाभान्वित किया जाए। उन्होंने इस कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए दैनिक प्रगति रिपोर्ट तलब की है। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण विभाग के प्रधान लिपिक संजय राय, कनिष्ठ लिपिक विकास पाठक सहित कुल सात कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित मिले। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से इनका एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। कन्या सुमंगला योजना में लाभार्थियों की कम संख्या पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने उन ब्लॉकों और पंचायतों की जांच करने को कहा जहां से आवेदन नहीं आ रहे हैं, ताकि वहां विशेष अभियान चलाया जा सके। अभ्युदय योजना में नए सत्र में अधिक आवेदन प्राप्त करने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट सही ढंग से प्रस्तुत न कर पाने पर विभागीय अधिकारियों को कड़ी हिदायत दी गई कि मेहनत और जिम्मेदारी से काम करें, अन्यथा और सख्त कार्रवाई होगी। सीध्डीओ ओजस्वी राज, जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन मौजूद रहे।

सात घरों में लगी आग, दस लाख का सामान जला

उन्नाव, (संवाददाता)। माखी थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सात घरों में आग लग गई। आंधी के कारण विकराल हुई आग से अनाज, नकदी, कपड़े, आभूषण और गृहस्थी का सामान सहित करीब 10 लाख रुपये का सामान जलगया। आंधी के कारण दमकल भी नहीं पहुंच सकी जिससे ग्रामीणों ने निजी संसाधनों से आग बुझाई। तहसील हसनगंज के सलेमपुर के मजरा हंसाखेड़ा गांव में रामकली के घर के छप्पर में आग लगी। आंधी के कारण आग ने पड़ोस के परमेश्वर और उनके पिता रघुवीर के घरों को भी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने दमकल को सूचना दी लेकिन दमकल नहीं पहुंच पाई। ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। परमेश्वर की पत्नी नेहा ने बताया कि अलमारी में रखे 20 हजार रुपये, सोने–चांदी के जेवर, 15 क्विंटल गेहूं और कपड़े सहित करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान जल गया। रामकली ने बताया कि उनकी किराना दुकान की बिक्री के 40 हजार रुपये और बिस्तर–कपड़े सहित 70 हजार रुपये का सामान जल गया। रघुवीर के घर में लगभग 50 हजार रुपये का छप्पर और कपड़े जल गए। लेखपाल देवेंद्र ने परमेश्वर के घर में अधिक नुकसान बताया। नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तहसील भेजी जाएगी। उधर, माखी के मजरा आजादनगर निवासी मेवालाल के घर में भी आग लग गई। आंधी–तूफान के बवंडर से लोगों को कुछ सूझ नहीं रहा था, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। आग ने पड़ोसी हरिश्चंद्र और पुत्ती के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मेवालाल ने बताया कि अनाज, कपड़े और नकदी सहित करीब दो लाख रुपये का सामान जल गया। हरिश्चंद्र और पुत्ती के घरों में करीब एक लाख रुपये का सामान जल गया। तहसील सफीपुर क्षेत्र के फिरोजपुर कला निवासी दुलारे के छप्पर में भी आग लग गई।

नहीं हो पाई ट्रैक की मरम्मत, आज और कल भी बंद रहेगी क्रॉसिंग

उन्नाव, (संवाददाता)। शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित आवास विकास कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के ट्रैक की मरम्मत में रेलवे की सुस्ती शहर के लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। लगातार दो दिन क्रॉसिंग बंद रखने के बाद मंगलवार की रात अस्थायी तौर पर खोला गया लेकिन गिट्टी भरी होने से वाहन फंसते रहे। देर रात एक एंबुलेंस भी फंस गई जिसे जेसीबी से खींचकर निकाला गया। बुधवार को भी फाटक बंद करके काम कराया गया। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने बताया कि बृहस्पतिवार के अलावा शुक्रवार को दोपहर तक क्रॉसिंग बंद रहेगी। रेलवे ने शहर की आवास विकास कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग (संख्या 126) के ट्रैक की मरम्मत कराने के लिए बिना पूर्व सूचना फाटक को सोमवार और मंगलवार को दो दिन के लिए बंद कर दिया। इसके बाद भी ट्रैक मरम्मत का काम पूरा नहीं हो सका। मंगलवार की रात में क्रॉसिंग खोलने के बाद बुधवार सुबह फिर बंद कर काम कराया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि काम अधिक होने से अभी दो दिन का वक्त और लगेगा। इसलिए बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी रास्ता बंद रहेगा। दूसरी तरफ रेलवे कॉसिंग लगातार तीसरे दिन बंद रहने से लोग परेशान रहे। शहर में एक से दूसरे हिस्से में जाने के लिए पांच किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी नौकरीपेशा, औद्योगिक क्षेत्र सहित अन्य तहसील व ब्लॉक जाने वाले और स्कूली बच्चों को हुई। उन्हें हाईवे के रास्ते से पांच किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ा। जो शॉर्टकट के लिए गली–मोहल्लों के संकरे रास्तों से निकले उन्हें जाम से जूझना पड़ा। शहर का मुख्य मार्ग होने से रायबरेली रूट पर आवास विकास कॉलोनी के पास स्थित इस क्रॉसिंग संख्या 126 की मरम्मत काफी समय से नहीं हो पाई थी।

एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर वाहन की टक्कर से बाइक सवार ससुर–दामाद की मौत

उन्नाव, (संवाददाता)। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर मंगलवार की रात करीब 10 बजे तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार ससुर–दामाद की मौत हो गई। दोनों लखनऊ जिले के रहने वाले थे। औरास थाना क्षेत्र निवासी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लखनऊ जा रहे थे। बाइक सवार हेलमेट लगाए थे। हादसे चालक वाहन लेकर भाग निकला। लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र के जलियामऊ गांव निवासी धनीराम (55) के औसास थाना क्षेत्र के राई गांव निवासी रिश्तेदार का निधन हो गया था। मंगलवार को सुबह वह लखनऊ के ही पारा थाना के खुशहालगंज निवासी दामाद संजय (35) के साथ उनकी बाइक से राई गांव गए थे। अंतिम संस्कार के बाद रात करीब 9रू30 बजे दोनों बाइक से लखनऊ लौट रहे थे। आगरा एक्सप्रेसवे पर शाहपुर तोंदा गांव के पास सर्विस लेन पर सामने से आ रहे किसी वाहन बाइक में टक्कर मार दी। इससे ससुर–दामाद सड़क पर गिर गए और वाहन उन्हें कुचलता हुआ निकल गया।

आंधी के बाद कहीं दीवार तो कहीं छत ढही, फतेहपुर, उन्नाव समेत चार जिलों में 20 लोगों की मौत

उन्नाव, (संवाददाता)। यूपी में अचानक मौसम ने करवट लिया और फिर जमकर तांडव मचाया। कहीं दीवार गिरी, कहीं छप्पर तो कहीं पेड़ गिरे। हरदोई में दो, उन्नाव जिले में छह, फतेहपुर में 10 और कानपुर देहात में दो लोगों की मौत हुई है। तूफान ने बरपाया कहर, चार की मौत

उन्नाव जिले में 20 मिनट के तूफान ने जमकर कहर बरपाया। इस दौरान अलग–अलग क्षेत्रों में चार लोगों की मौत हो गई। आसीवन थानाक्षेत्र के बाबाखेड़ा निवासी अंश (9) पुत्र जगदीश भी अन्य बच्चों के साथ वहीं खेल रहा था। दोपहर करीब दो बजे अचानक से आई तेज आंधी से पास में खड़ा यूकेलिप्टस का पेड़ अंश पर गिरने के साथ अन्य बच्चों को भी चपेट में ले लिया। घटना की अंश की दबकर मौत हो गई। साथ ही बरहाखुर्द गांव निवासी रजेपाल (42) और मकबूलखेड़ा निवासी अमित (30) पुत्र लक्ष्मण उसी में दब गए। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईड्रा की मदद से पेड़ उठवाकर सभी को बाहर निकलवाया और मियागंज सीएचसी भेजा। दही थानाक्षेत्र के सिंघूपुर गांव निवासी रामआसरे (70) के गांव के बाहर खेत हैं। खेत में आम का पेड़ लगा था। बुधवार को वह खेत पर ही थे, तभी आई तेज आंधी से आम का पेड़ उन्हीं पर गिर गया और उसी के नीचे दब गए। घटना का पता चलने पर बेटा रविशंकर पिता को जिला अस्पताल लेकर गया, डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसी क्षेत्र के पोंगहा गांव में सियाराम पुत्र कन्हई व मैता में विनोद कुमार पुत्र रामनरेश पर दीवार गिरने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्नाव में सदर तहसील के अकबरपुर दबौली गांव में पेड़ गिरने से चपेट में आकर 65 साल के बुजुर्ग छंगा की मौत हो गई। वहीं मियागंज ब्लॉक में आसीवन थाना के मकबूलखेड़ामें यूकेलिप्टस का पेड़ गिरने से घायल हुए बरहाखुर्द गांव के रजेपाल (42) की इलाज के दौरान मौत हो गई। कानपुर देहात के कुछ हिस्सों में बुधवार दोपहर में आंधी संग बारिश व ओलावृष्टि हुई। रसूलाबाद के भौथरी में बारिश होने पर बकरियां चराने गई रामबहादुर की पुत्री रुचि (19) नजदीक ही रामकुमार दिवाकर के खेत पर लगे नीम में पेड़ के नीचे बकरियां लेकर पहुंच गई। वहां पहले से भौथरी गांव निवासी रामचंद्र (60) मौजूद थे। बिजली गिरने से रुचि मौत हो गई। बुजुर्ग रामचंद्र मामूली रूप से झुलस गए। चपेट में आकर रुचि की 19 बकरियां, रामचंद्र की 13 बकरियां व नयापुरवा निवासी राधेश्याम की एक बकरी मर गई। झुलसे रामचंद्र को अस्पताल भेजा गया है। वहीं, बरौर थाना के कुटरा में रिश्तेदार के यहां एक शादी समारोह में शामिल होने आई डेरापुर थाना के गुरियापुर निवासी नाथूराम की पुत्री सौम्या (10) बुधवार की दोपहर बाद लगभग दो बजे कच्ची बनी दीवार के पास खड़ी थी। तेज आंधी आने से दीवार गिरने से वह मलबे में दब गई। जब तक लोगों ने निकाला तब तक उसकी मौत हो गई। एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार ने बताया कि रसूलाबाद में बिजली गिरने से युवती की मौत व पशुहानि पर एसडीएम रसूलाबाद से रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं बरौर की घटना में भी तहसील से रिपोर्ट मांगी गई है। नियमानुसार प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद दी जाएगी। तेज गति से बुधवार शाम आई आंधी से एक किशोर समेत 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि 16 लोग घायल हो गए। इसके अलावा तीन भैंस और पांच बकरियों की भी जान गई है। आंधी से 22 पेड़ व 12 बिजली पोल टूट कर गिर गए हैं। प्रशासन की ओर से राहत बचाव कार्य कराया जा रहा है। वहीं, खागा सीएचसी परिसर में खड़ी कार के ऊपर पेड़ गिर गया। इससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। कई जगहों पर बिजली व्यवस्था भी कई घंटे के लिए बाधित हो गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।